देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

बीवी से ज्यादा एलजी डांटते हैं: केजरीवाल... 12

योगी सरकार ने स्वयं सहायता समूहों को दिया... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 350
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
शुक्रवार | 07 अक्टूबर, 2022

चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक संपन्न

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार कक्ष मे गुरुवार को चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी ने की। इस अवसर पर शस्य वैज्ञानिक डॉ राजीव ने रवी फसलों जैसे आलू, चना, मटर, मसूर आदि की बुवाई की तकनीकी जानकारी किसानों को दी। उन्होंने बताया कि किसान हो रही इस वर्षा की नमी को संचय कर रवी फसल की बुवाई करें। जिससे किसानों की पलेवा में होने वाले व्यय की बचत होगी और उत्पादन भी अच्छा होगा तथा बुवाई भी समय से हो जाएगी। कार्यक्रम में अभिजनक डॉ सोमबीर ने गेहूं फसलों की वैज्ञानिक खेती के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की प्रजाति के–1317 कम पानी में अच्छी पैदावार देती है तथा अन्य प्रजातियों की तुलना में इसमें जिंक एवं लोहे की मात्रा अधिक है। जिससे यह स्वास्थ्य के प्रति लाभकारी है। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ.शशिकांत ने बताया कि पशुओं को खुर पका, मुंह पका रोग की रोकथाम हेतु टीके अवश्य लगाएं जिससे पशुपालकों को धन हानि न हो। कृषक समिति के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में कानपुर नगर, कानपुर देहात, फतेहपुर, औरैया, कन्नौज एवं उन्नाव सहित कई जनपदों के किसानों ने प्रतिभाग किया है।

दैनिक जागरण 07/10/2022

गेहूं, सरसों का बीज हुआ महंगा, चना व मटर सस्ता

कानपुर : प्रदेश सरकार ने कृषि विश्वविद्यालयों व कृषि विज्ञान केंद्रों को किसानों को बीज उपलब्ध कराने के दिशा निर्देश दिए हैं। विभिन्न फसलों के बीजों का मूल्य निर्धारित किया है। गेहूं, सरसों व मसूर का आधारीय बीज पिछले वर्ष की अपेक्षा महंगा हुआ है, लेकिन चना व मटर का बीज सस्ता हुआ है। सीएसएवि के प्रसार निदेशक डा. एके सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश पर आधारीय, प्रमाणित बीजों की बिक्री शुरू कराने के लिए कहा गया है। जासं

हिंदुस्तान 07/10/2022

गेहूं, मसूर व सरसों के बीजों के बढ़े दाम

कानपुर। रबी सीजन की बुआई के लिए प्रदेश सरकार ने कृषि विश्वविद्यालय व कृषि विज्ञान केंद्रों को किसानों को बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। विभिन्न फसलों के बीजों का मूल्य निर्धारित किया है। गेहूं, सरसों व मसूर का आधारीय बीज पिछले वर्ष की अपेक्षा महंगा हुआ है, लेकिन चना व मटर के बीज की कीमत कम हुई है।

विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि फतेहपुर में कृषि विज्ञान केंद्र से किसानों के लिए शासन से निर्धारित मूल्य पर बीजों की बिक्री शुरू की जा रही है। अन्य केंद्रों पर भी जल्द बिक्री शुरू होगी।

दैनिक भास्कर

किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकियों की दी गई जानकारियां

कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार कक्ष में आज चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी ने की। इस अवसर पर शस्य वैज्ञानिक डॉ राजीव ने रवी फसलों जैसे आलू, चना, मटर ,मसूर आदि की बुवाई की तकनीकी जानकारी किसानों को दी। उन्होंने बताया कि किसान भाई रवी फसल की बुवाई की तैयारी शुरू कर दें।क्योंकि जो वर्षा हो रही है इस वर्षा की नमी को संचय कर रवी फसल की बुवाई करें। जिससे किसानों का पलेवा में होने वाला व्यय की बचत होगी और उत्पादन भी अच्छा होगा तथा बुवाई समय से भी हो जाएगी।जबकि गेहूं फसलों की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तार से गेहूं अभिजनक डॉ सोमबीर ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की प्रजाति के- 1317 कम पानी में अच्छी पैदावार देती है तथा अन्य प्रजातियों की तुलना में इसमें जिंक एवं लोहे की मात्रा अधिक है।